

---

# Krishna Stotram

---

## कृष्णस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : Krishna Stotram

File name : kRRiShNastotramvAdirAja.itx

Category : vishhnu, vAdirAja, vishnu, stotra, krishna

Location : doc\_vishhnu

Author : vAdirAjayati

Proofread by : Lata Murali, Revathy R.

Latest update : June 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



कृष्णस्तोत्रम्



श्रीब्रह्मरुद्रगरुडेन्द्रनतं शरण्यं  
सर्वाशुभप्रशमनं भुवनैकनाथम् ।  
सद्रूप्यपीठपुरमध्यगमिन्दिरेशं  
गोवर्धनोद्धरणदक्षमहं नतोऽस्मि ॥ १ ॥

वज्राङ्कुशध्वजसरोजयुताङ्घ्रिमूलं  
सन्दीप्यमाननखचन्दिरकान्तिकान्तम् ।  
सिञ्जत्सुनूपुरपदं वरवृत्तजङ्घं  
पूर्णेन्दुभानुसमवर्तुलजानुयुग्मम् ॥ २ ॥

स्तम्बेरमेन्द्रसुकरोरुमुदारकाञ्ची-  
पीताम्बरोद्यतकटि शुभनिम्ननाभिम् ।  
शातोदरार्पितवलित्रयमजनाभं  
श्रीवत्सकौस्तुभरमालयवक्षसं तम् ॥ ३ ॥

श्रीकम्बुकन्धरसमर्पितवैजयन्ती  
सद्धारकञ्जशुभमालिकयोल्लसन्तम् ।  
सदृण्डपाशकरमूर्जितहारभूषं  
बिम्बाधरोष्ठमरविन्ददलायताक्षम् ॥ ४ ॥

कर्णोज्ज्वलन्मकरकुण्डलशोभिगण्डं  
सद्रत्नमौक्तिकलसच्छुभनासिकाढ्यम् ।  
शाङ्गायितभ्रुवमगण्यगुणाभिराम-  
मुद्यद्दिवाकरनिभाभविशालफालम् ॥ ५ ॥

श्रीमत्किरीटवरमण्डितरम्यशीर्ष-  
माद्यन्तशून्यमसितं सुखतीर्थनाथम् ।  
श्रीनन्दनन्दनममेयमगाधभोध-  
मीषत्स्मितेन्दुवदनं शरणं ब्रजामि ॥ ६ ॥

किं संस्तवीमि तव मत्स्य सुकूर्म कोल  
श्रीमच्छिशिंह वरवामन भार्गवेश ।  
श्रीजानकीरमण यादवकृष्ण बुद्ध  
कल्क्यादिरूप कृतिसेवितसत्प्रभाव ॥ ७ ॥

श्रीकृष्णदेव करुणाकर सौम्यरूप  
श्रीवादिराजमुनिहृत्कमलाधिवास ।  
भक्तोत्सवेप्सितसुतत्वरहस्यदीप  
मां पाहि ते चरणसेवकभृत्यभृत्यम् ॥ ८ ॥

वादिराजाख्ययतिना कृष्णस्त्रोत्रमिदं कृतम् ।  
हरेः कृपाप्तयेऽजस्त्रं पठतः प्रीयते हरिः ॥ ९ ॥

इति श्रीमद्वादिराजपूज्यचरणविरचितं कृष्णस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
भारतीरमणमुख्यप्राणान्तर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ।

Proofread by Lata Murali

---



*Krishna Stotram*

pdf was typeset on June 19, 2024



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

